University in News on 16 June 2021

i-NEXT PAGE 4

एलयू ने निरस्त किया शिक्षक भर्ती का विज्ञापन

फिर से शैक्षणिक पदों का विज्ञापन जारी कर लिए जाएंगे आवेदन

करीब नौ माह पहले जारी किया था विज्ञापन

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (15 June): लखनऊ विश्वविद्यालय ने नौ महीने पहले जारी किए गए शिक्षक भर्ती के विज्ञापन को निरस्त कर दिया है. अब उन सभी शैक्षणिक पदों को फिर से विज्ञापित कर आवेदन लिए जाएंगे. विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि बीते मई में राजभवन द्वारा शिक्षक भर्ती के नए दिशा-निर्देश की वजह से ऐसा किया गया है.

बीती सितंबर में हुई प्रक्रिया भी

एलयू में शिक्षकों की कमी को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने बीते 16 सितंबर 2020 को शिक्षकों के 180 स्थायी पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू की थी. इनमें 80 पद असिस्टेंट प्रोफेसर, 62 पद एसोसिएट प्रोफेसर और 38 पद प्रोफेसर के शामिल थे. आवेदन की अंतिम तिथि 19 अक्टूबर तय थी. इन 80 पदों के सापेक्ष पांच हजार से ज्यादा अभ्यर्थियों के आवेदन आए थे. इस भर्ती प्रक्रिया में दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए कोटा न दिए जाने का भी विवाद उठा था, जिसके बाद मामला कोर्ट जाने की वजह से विश्वविद्यालय ने उन्हें मौका देने की बात कही थी. फिलहाल, अब इस शिक्षक भर्ती के विज्ञापन को निरस्त कर दिया गया है.

नए निर्देशों के अनुसार भर्ती

कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि 18 मई 2021 को कुलाधिपति ने शिक्षकों के भर्ती के लिए नए निर्देश जारी किए थे, जिससे शिक्षकों की नियुक्तियों में और पारदर्शिता लाई जा सके. इसको ध्यान में रखते हुए एलयू फिर से आचार्य, सह आचार्य एवं सहायक आचार्य के विभिन्न पदों के लिए विज्ञापन जारी करेगा.

नहीं करना होगा आवेदन

जिन अभ्यर्थियों ने पूर्व में आवेदन किया था, उन्हें फिर से आवेदन करने की जरूरत नहीं है, लेकिन उन्हें एक अवसर जरूर दिया जाएगा कि वे अपने आवेदन पत्र को अपडेट कर सकें.

एलयू में शिक्षकों की कमी को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने बीते 16 सितंबर 2020 को शिक्षकों के 180 स्थायी पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू की थी. इनमें 80 पद असिस्टेंट प्रोफेसर, 62 पद एसोसिएट प्रोफेसर और 38 पद प्रोफेसर के शामिल थे. आवेदन की अंतिम तिथि 19 अक्टूबर तय थी.

HINDUSTAN PAGE 6

रसायनिक विज्ञान की प्रगति पर किया मंथन

लखनऊ। रसायन विज्ञान विभाग, एलयू ने रीसेंट एडवांसेज इन केमिकल साइंसेज पर एक दिवसीय राष्ट्रीय ई-सम्मेलन का आयोजन किया। जिसमें विषय विशेषज्ञों ने रासायनिक विज्ञान के क्षेत्र में हालिया प्रगति पर व्याख्यान दिए। विज्ञान संकाय की डीन प्रो. तृप्ता त्रिवेदी ने उद्घाटन किया।

योग के महत्व पर ऑनलाइन सेमिनार

लखनऊ। फैकल्टी ऑफ योग एंड ऑल्टरनेटिव मेडिसिन, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की संस्था इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योगिक साइंस के संयुक्त तत्वावधान में सातवें अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के क्रम में दैनिक जीवन में योग के महत्व पर ऑनलाइन सेमिनार किया गया।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 2

विवि कोविड के कारण अनाथ हुए बच्चों को गोद लें : राज्यपाल

विशेष संवाददाता (vol)

- छात्रों की डिग्री उनके पते पर भेजी जायें

लखनऊ। राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को निर्देश दिये कि किसी भी विद्यार्थी को अपनी डिग्री लेने के लिये विश्वविद्यालय के चक्कर न लगाना पड़े उनकी डिग्रियां समयबद्ध उनके पते पर तत्काल भेज दी जाये। ये निर्देश राज्यपाल ने राजभवन से ऑनलाइन लखनऊ विश्वविद्यालय और भातखंडे विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपतियों को समीक्षा बैठक के दौरान दिये। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह के बाद सभी डिग्री भेजी जानी चाहिए।

ये कार्य सम्बद्ध महाविद्यालय भी समयबद्ध तरीके से करें। कुलाधिपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के रिक्त पदों की नियुक्तियों में पारदर्शिता अपनायी जाये इसके लिये जारी होने वाले विज्ञापनों में सभी निदेशों एवं मापदंडों का भी उल्लेख किया जाना चाहिये। कुलाधिपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में स्थापित महिला विकास केंद्र ग्रामीण महिलाओं को जागरूक करने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि वर्तमान मे ग्राम पंचायत चुनाव में 33 प्रतिशत ग्रामीण महिलाएं, ग्राम प्रधान निर्वाचित हुई हैं इनमें से ज्यादातर महिलायें स्वयं सहायता समूहों से है। विश्वविद्यालय सेमिनार एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर नव निर्वाचित ग्राम प्रधानों को सरकार द्वारा चलायी जा रही लाभार्थीपरक योजनाओं की जानकारी दें साथ ही समाज में फैली विभिन्न सामाजिक कुरीतियों से भी अवगत करायें जिससे वे अपनी ग्राम सभा में ग्रामीण महिलाओं को योजनाओं का लाभ दे सकें । उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपनी छात्राओं को नारी निकेतन चिकित्सालयों का भ्रमण कराये ताकि वे वहां के अनुभव को जान सके और भविष्य में विभिन्न बुराइयों से दूर रह सकें। आनंदीबेन पटेल ने कहा कि कोविड के कारण तमाम बच्चे अनाथ हो गये है। विश्वविद्यालय ऐसे बच्चों को गोद लेने का काम करे और उनकी समुचित देखभाल की व्यवस्था भी करें ताकि उन बच्चों को भी पारिवारिक माहौल मिल सके। विश्वविद्यालय की वित्तीय व्यवस्था पर निर्देश देते हुए कुलाधिपति ने कहा कि सभी प्रकार के वित्तीय लेन-देन को कैश बुक में अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाये और विश्वविद्यालय में कम से कम खातों का संचालन करें, एक ही प्रवृत्ति के खातों को आपस में समायोजित करते हुये खातो की संख्या कम करें, अत्यधिक खाते होने से वित्तीय अनियमितता की संभावना काफी ज्यादा होती है, जो भी अग्रिम अपने कर्मचारियों को दिये गये है उनका समयबद्ध समायोजन और निस्तारण किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपने सभी स्टॉफ, छात्र-छात्राओं और उनके परीजनों का टीकाकरण अनिवार्य रूप से करायें इस कार्य को गंम्भीरता से ले। राज्यपाल ने निर्देश दिये कि आवासीय परिसर में किसी भी दशा में बाहरी व्यक्तियों का निवास नहीं होना चाहिये और विश्वविद्यालय में जो निर्माण कार्य चल रहा है उनका कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ समयबद्ध होना चाहिए। साथ ही समय-समय पर कार्यदायी संस्था से कार्य की समीक्षा भी अनिवार्य रूप से करायें और अपने समस्त कार्यों में नवीनतम तकनीक का प्रयोग करें।कुलाधिपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में जो विवाद न्यायालय में लंबित चल रहे है उनकी समीक्षा करने के साथ-साथ निस्तारण के लिए जरूरी कदम उठाये जाये। उन्होंने कहा कि बैठक में विचार विमर्श के दौरान जो बिंदु उठाये गये है उनका समयबद्ध निस्तारण पूर्ण गुणवत्ता के साथ होना चाहिये। इसमें किसी प्रकार की ढ़िलाई बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल लखनऊ विश्वविद्यालय और भातखंडे विश्वविद्यालय के कुलपतियों के साथ ऑनलाइन समीक्षा बैठक करतीं हुईं

AMRIT VICHAR PAGE 2

लविवि में एमसीक्यू प्रणाली से परीक्षा कराने की तैयारी शुरू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में एमसीक्यू प्रणाली से परीक्षा कराने की तैयारी शुरू हो गई है। यह परीक्षा स्नातक द्वितीय व अंतिम वर्ष और परास्नातक अंतिम वर्ष की कराई जाएगी। यह परीक्षा एक घंटे की होगी। इसमें छात्रों को कोविड नियमों का पालन करते हुए देना होगा। कोरोना की दूसरी लहर का प्रकोप अधिक होने के कारण प्रदेश सरकार ने बीते वर्ष की तरह इस वर्ष भी छात्रों को प्रोन्नत करने का आदेश दिया है। जबकि स्नातक के दूसरे व अंतिम वर्ष और परास्नातक के अंतिम वर्ष की परीक्षा होनी है। आदेश के अनुसार जिन छात्रों की परीक्षा प्रथम वर्ष की कराई गई थी उन्हें तो दूसरे वर्ष में प्रोन्नत किया जा सकता है लेकिन जहां पर पहले वर्ष की परीक्षा नहीं हो पाई है। उन विश्वविद्यालय में दूसरे व तीसरे वर्ष की परीक्षा होनी है। चूंकि, लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने दूसरे व तीसरे वर्ष की परीक्षा नहीं हुई थी तो इस वर्ष स्नातक के दोनों वर्ष की परीक्षा होनी है।

लविवि दोबारा विज्ञापित करेगा रिक्त शिक्षकों के पद

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन रिक्त पड़े शिक्षकों के पद के लिए दोबारा विज्ञापन निकालेगा लेकिन जिन अभ्यर्थियों ने पहले आवेदन कर रखा है, उन्हें दोबारा आवेदन नहीं करना होगा। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय के जिन शैक्षणिक पदों का विज्ञापन 16 सितंबर 2020 को प्रकाशित किया गया था, उन समस्त शैक्षणिक पदों को पुन: विज्ञापित कराया जाएगा। 18 मई 2021 को कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने शिक्षकों के भर्ती के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए थे। इस दिशा-निर्देश को ध्यान में रखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय पुन: एक बार आचार्य, सह आचार्य एवं सहायक आचार्य के विभिन्न पदों को विज्ञापित करने जा रहा है। कुलाधिपति ने शिक्षकों की नियुक्तियों में और पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से इन निर्देशों का पालन करने के लिए आदेशित किया था। जिन अभ्यर्थियों ने पूर्व में आवेदन किया था, उन्हें पुन: आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है लेकिन उन्हें एक अवसर अवश्य प्रदान किया जाएगा कि वे अपने आवेदन पत्र को अपडेट कर सकें।

PIONEER PAGE 4

सभी वित्तीय लेन-देन अनिवार्य रूप से कैश बुक में दर्ज करें

- राज्यपाल ने की लविवि व भातखण्डे विश्वविद्यालय की ऑनलाइन समीक्षा

लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा है कि सभी प्रकार के वित्तीय लेन-देन को कैश बुक में अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाये तथा विश्वविद्यालय में कम से कम खातों का संचालन करें। एक ही प्रवृत्ति के खातों को आपस में समायोजित करते हुये खातों की संख्या कम करें, अत्यधिक खाते होने से वित्तीय अनियमितता की सम्भावना काफी अधिक होती है। मंगलवार को राजभवन से लखनऊ विश्वविद्यालय तथा भातखण्डे विश्वविद्यालय की ऑनलाइन समीक्षा के दौरान राज्यपाल ने कहा कि जो भी अग्रिम अपने कर्मचारियों को दिये गये हैं उनका समयबद्ध समायोजन तथा निस्तारण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोविड19 के कारण तमाम बच्चे अनाथ हो गये हैं।

विश्वविद्यालय ऐसे बच्चों को गोद लेने का काम करें तथा उनकी समुचित देखभाल की व्यवस्था भी करें ताकि उन बच्चों को भी पारिवारिक माहौल मिल सके। किसी भी विद्यार्थी को अपनी डिग्री प्राप्त करने के लिये विश्वविद्यालय के चक्कर न लगाना पड़े उनकी डिग्रियां समयबद्ध उनके पते पर तत्काल प्रेषित कर दी जायें। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह के बाद समस्त डिग्री भेजी जानी चाहिए। ये कार्य सम्बद्ध महाविद्यालय भी समयबद्ध तरीके से करें।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

विवि. के रिक्त पदों पर नियुक्तियों में लाएं पारदर्शिता : राज्यपाल

छात्रों की डिग्रियां उनके पते भेजे जाने के निर्देश

स्वतंत्रभारत ब्यूरो, लखनऊ। किसी भी विद्यार्थी को अपनी डिग्री प्राप्त करने के लिये विश्वविद्यालय के चक्कर न लगाना पड़े उनकी डिग्रियां समयबद्ध उनके पते पर तत्काल प्रेषित कर दी जाये। ये निर्देश उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने आज राजभवन से ऑनलाइन लखनऊ विश्वविद्यालय तथा भातखण्डे विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपतियों को समीक्षा बैठक के दौरान दिये। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह के बाद समस्त डिग्री भेजी जानी चाहिए। ये कार्य सम्बद्ध महाविद्यालय भी समयबद्ध तरीके से करें। कुलाधिपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के रिक्त पदों की नियुक्तियों में पारदर्शिता अपनायी जाये इसके लिये जारी होने वाले विज्ञापनों में समस्त निर्देशों एवं मापदण्डो का भी उल्लेख किया जाना चाहिये। कुलाधिपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में स्थापित महिला विकास केंद्र ग्रामीण महिलाओं को जागरूक करने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि वर्तमान मे ग्राम पंचायत चुनाव में 33 प्रतिशत ग्रामीण महिलाएं, ग्राम प्रधान निर्वाचित हुई हैं इनमें से अधिकांश महिलायें स्वयं सहायता समूहों से है विश्वविद्यालय सेमिनार एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर नव निर्वाचित ग्राम प्रधानों को सरकार द्वारा संचालित लाभार्थीपरक योजनाओं की जानकारी दें साथ ही समाज में फैली विभिन्न सामाजिक कुरीतियों से भी अवगत करायें ताकि वे अपनी ग्राम सभा में ग्रामीण महिलाओं को योजनाओं का लाभ दे सकें साथ ही विभिन्न सामाजिक कुरीतियों खासकर दहेज प्रथा, बेटा-बेटी में भेद आदि से उन्हें बचने की सीख दे सकें। कुलाधिपति ने कहा कि विश्वविद्यालय अपनी छात्राओं को नारी निकेतन चिकित्सालयों आदि का भ्रमण कराये ताकि वे वहां के अनुभव को जान सके और भविष्य में विभिन्न बुराइयों से दूर रह सकें। राज्यपाल जी ने कहा कि कोविड-19 के कारण तमाम बच्चे अनाथ हो गये है।

विश्वविद्यालय ऐसे बच्चों को गोद लेने का काम करे तथा उनकी समुचित देखभाल की व्यवस्था भी करें ताकि उन बच्चों को भी पारिवारिक माहौल मिल सके। विश्वविद्यालय की वित्तीय व्यवस्था पर निर्देश देते हुए कुलाधिपति ने कहा कि सभी प्रकार के वित्तीय लेन-देन को कैश बुक में अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाये तथा विश्वविद्यालय में कम से कम खातों का संचालन करें, एक ही प्रवृत्ति के खातों को आपस में समायोजित करते हुये खातो की संख्या कम करें, अत्यधिक खाते होने से वित्तीय अनियमितता की सम्भावना काफी अधिक होती है जो भी अग्रिम अपने कर्मचारियों को दिये गये है उनका समयबद्ध समायोजन तथा निस्तारण किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने समस्त स्टॉफ, छात्र-छात्राओं तथा उनके परीजनों का टीकाकरण अनिवार्य रूप से करायें इस कार्य को गंम्भीरता से ले। राज्यपाल जी ने निर्देश दिए कि आवासीय परिसर में किसी भी दशा में बाहरी व्यक्तियों का निवास नहीं होना चाहिये तथा विश्वविद्यालय में जो निर्माण कार्य चल रहा है उनका कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ समयबद्ध होना चाहिए। साथ ही समय-समय पर कार्यदायी संस्था से कार्य की समीक्षा भी अनिवार्य रूप से करायें और अपने समस्त कार्यों में नवीनतम तकनीक का प्रयोग करें। कुलाधिपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में जो विवाद न्यायालय में लम्बित चल रहे है उनकी समीक्षा करने के साथ-साथ निस्तारण हेतु आवश्यक कदम उठाये जाये। उन्होंने कहा कि आज की बैठक में विचार विमर्श के दौरान जो बिंदु उठाये गये है उनका समयबद्ध निस्तारण पूर्ण गुणवत्ता के साथ होना चाहिये। इसमें किसी प्रकार की ढ़िलाई बर्दाश्त नहीं की जायेगी। बैठक में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव महेश कुमार गुप्ता, विशेष कार्याधिकारी डा पंकज जानी, विश्वविद्यालय के कुलपतिगण एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

HINDUSTAN TIMES PAGE 3

Guv: Varsities must send degrees of students soon after convocation

HT Correspondent

letters@hindustantimes.com

LUCKNOW : Governor Anandiben Patel on Tuesday said universities must send degrees of graduating students soon after their convocation. She also advised varsities to adopt Covid-orphaned students.

Governor made these observation during a review meeting of Lucknow University and Bhatkhande Music Deemed University here at Raj Bhawan. Talking about Covid-orphaned students, she said such children must be taken care off so that they could get a family environment.

She also said outsiders must not be allowed to reside within residential complex of universities.

Speaking about financial issues, governor suggested that every transaction by the varsities must be logged in cash book and they should minimise number of operating bank accounts by compiling similar accounts into one.

She said possibility of financial irregularities increases in case of multiple bank accounts.

To promote women empowerment, the governor asked universities to hold seminars and training programmes, especially for rural women, to help them become self reliant.

She added that the rural women should be informed about government policies and schemes and must be supported to form self-help groups.

TOI PAGE 3

Send degrees to students by post, Guv tells universities

Times News Network

Lucknow: In an online review meeting of two state universities, chancellor and Governor Anandiben Patel directed their vice chancellors to ensure that students are not made to run for their degrees.

Instead, universities should the degrees to students' homes by post, said Patel while addressing the VCs of Lucknow University and Bhatkhande Music Institute Deemed University.

The governor said universities, along with colleges, should hand over the degrees to the students soon after convocation in a timely manner. She had earlier suggested preparing a database of names, phone numbers and addresses of the students for sending degrees by post.

The governor also directed the two VCs to state criterion and detailed instructions in the advertisement for hiring faculty. This, she said, will ensure transparency in the appointment process.

Stating that 33% of the newly elected gram pradhans are women, the governor suggested to the universities to hold webinar and training sessions to apprise them of the public welfare schemes. "Most of the women gram pradhans belong to self-help groups. Universities should make them aware of the malpractices in society like dowry, discrimination of male and female child, so that they can motivate women in their villages to not fall prey to such social evils," Patel told the VCs.

The governor asked the universities to arrange a visit to Nari Niketan hospitals for girls for a learning experience. She further directed universities to adopt children who have been orphaned after losing their parents to Covid-19. Universities should give a homely environment to such children, Patel said.